आयात

वित्तीय वर्ष	मात्रा, लाख मीटरी टन में	मूल्य, करोड़ रुपये में
1980-81	1.806	93.25
1981-82	2.15	101.50
1982-83	...	...
1983-84	...	...

वित्तीय वर्ष 1984-85 में सरकार ने लगभग 3.54 लाख मीटरी टन चीनी का आयात करने के लिए ठेके किए हैं और चीनी के बन्दरगाह पर पहुंच जाने तथा राज्य व्यापार निगम के गोदामों में रख लिए जाने के बाद ही आयातित चीनी के बन्दरगाह पर पर पहुंच जाने तथा राज्य व्यापार निगम के गोदामों में रख लिए जाने के का मूल्य निकाला जा सकता है।

देश में पेयजल की समस्या वाले गांव

2139. **श्री सत्यनारायण जटिया :**
श्रीमती गीता मुखर्जी :

क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में जून, 1984 में ऐसे कितने गांए थे जिनमें पेयजल की समस्या और पानी का अभाव है और कितने लोग इन समस्याओं से प्रभावित हैं;

(ख) वर्ष 1980-81 से 1983-84 तक कितने गांवों में प्रतिवर्ष पेयजल की सप्लाई की व्यवस्था की गई और इस पर प्रति वर्ष कितनी धनराशि खर्च की गई; और

(ग) गांवों को शुद्ध पेयजल की सप्लाई संबंधी सरकारी नीति क्या है और शेष गांवों (जून, 1984 को) के लिए कब तक पेयजल की व्यवस्था कर दी जाएगी और इस पर अनुमानतः कितनी धनराशि खर्च होगी;

निर्माण और आवास मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ) : (क) 1980 में विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में पता लगाये गये 2,30,784 समस्या-ग्रस्त ग्रामों में से 1.4.84 को 78876 समस्याग्रस्त ग्रामों को पेयजल मुहैय्या करना शेष है। 1971 की जनगणना के अनुसार पेयजल मुहैय्या किए जाने वाले शेष ग्रामों की जनसंख्या अनुमानतः 6.89 करोड़ है।

(ख) यह सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

(ग) प्रधान मंत्री के 20 सूत्री कार्यक्रम के सूत्र सं.8 के अन्तर्गत 1.4.1980 को पता लगाए गए सभी समस्याग्रस्त ग्रामों को 31.3.85 तक स्वच्छ पेयजल का कम से कम एक स्रोत मुहैय्या किया जाना है। 31.3.84 तक ऐसे 1,51,898 ग्रामों को

पेयजल मुहैय्या कर दिया गया है। 1984-85 के दौरान 41,859 ग्रामों को पेयजल मुहैय्या करने का प्रस्ताव है। शेष (37,017) ग्रामों को सातवीं पचवर्षीय योजना अव.ब के दौरान पेयजल मुहैय्या किया जाएगा।

41,859 के लक्षित ग्रामों को पेयजल मुहैय्या करने के लिए 1984-85 के दौरान निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं। :—

राज्य क्षेत्र का न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम 364 करोड़ रुपये;

केन्द्रीय क्षेत्र की प्रोत्साहन योजना 50 करोड़ रुपये

केन्द्रीय क्षेत्र का त्वरित ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम 2425 करोड़ रुपये

इस स्तर पर सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान 37 017 समस्याग्रस्त ग्रामों में पेयजल मुहैया करने पर होने वाले व्यय का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है।

विवरण

I. उन समस्याग्रस्त ग्रामों की संख्या जहां 1980-81 से 1983-84 तक प्रत्येक वर्ष के दौरान पेयजल पूर्ति के प्रबन्ध किए गए

वर्ष	उन समस्याग्रामों की संख्या, जहां पेयजल मुहैय्या किया गया।
1980-81	25,978
1981-82	29,837
1982-83	45,844
1983-84	50,138+10 50239+1
	योग : 1,51,898

II. समस्याग्रस्त ग्रामों को पेयजल मुहैय्या करने में 1980-81 से 1984-85 तक के दौरान व्यय की गई राशि (करोड़ रुपयों में)

वर्ष	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	त्वरित ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम	प्रोत्साहन योजना
1980-81	211.76	86.41	...
1981-82	259.56	120.38	...
1982-83	307.78	179.48	...
1983-84	318-41 (अनुमोदित परि व्यय)	197.71 (दी गई राशि)	66.11 (दी गई राशि)
1984-81 (प्रावधान)	364.00	242.50	50.00

टिप्पणी :—

1983-84 के व्यय के आकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए अनुदान/अनुमोदित परिव्यय के रूप में दी गई राशि दर्शायी गई है। 1984-85 के लिए प्रावधान दर्शाए गए हैं।